No. of Printed Pages : 6

BPY-001

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

(BDP—PHILOSOPHY)

Term-End Examination

June, 2023

(Elective Course : Philosophy)

BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY PART—I

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to Question Nos. 1 and 2 should be in about **400** words each.*

---

1. Explain the structure of Yajurveda. 20

Or

Discuss the philosophical significance of Chhandogaya Upanishad.

2. Examine the unique features and philosophical perspectives of Svetasvatara Upanishad. 20

Or

Elucidate the practical teachings of Buddhism.

3. Answer any ***two*** of the following questions in about ***200*** words each :

   (a) Briefly explain the Jain epistemology. 10

   (b) Analyse the nature of self according to Mandukya Upanishad. 10

   (c) Discuss the philosophical importance of Brihadaranyaka Upanishad. 10

   (d) Examine the significance of the age of Brahmans and Aranyakas. 10

4. Answer any ***four*** of the following questions in about ***150*** words each :

   (a) Give a brief account of the mind in Indian tradition. 5

   (b) What are the three visualizations in Aitareopanishad ? 5

   (c) Briefly explain the structure of Samaveda. 5

   (d) Describe the importance of the moral philosophy of Vidura in Mahabharata. 5

   (e) Explain briefly the metaphysical views of Ćarvaka system. 5

   (f) Distinguish between Paravidya and Aparavidya. 5

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about ***100*** words each :

(a) Nishkama Karma 4

(b) Classification of the Vedas 4

(c) The Bonds of Sat 4

(d) Vision of life in Isha Upanishad 4

(e) Turiya 4

(f) Jivanmukti 4

(g) Five great vows of Jainism 4

(h) Kshanikavada of Buddhism 4

BPY-001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.) (दर्शनशास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2023
(ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र)
बी.पी.वाई.--001 : भारतीय दर्शन भाग–I

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रश्न संख्या ***1*** *और* ***2*** *में प्रत्येक का उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों में दीजिए।*

1. यजुर्वेद की संरचना की व्याख्या कीजिए।

अथवा

छान्दोग्य उपनिषद् क दार्शनिक महत्व पर विमर्श कीजिए।

2. श्वेताश्वर उपनिषद् के विशिष्ट लक्षणों एवं दार्शनिक सन्दर्शों का परीक्षण कीजिए।

अथवा

बौद्ध दर्शन की व्यावहारिक शिक्षाओं को स्पष्ट कीजिए।

3. किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग ***200*** शब्दों में दीजिए :

(क) जैन ज्ञानमीमांसा की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 10

(ख) माण्डूक्य उपनिषद् के अनुसार आत्मा की प्रकृति का विश्लेषण कीजिए। 10

(ग) वृहदारण्यक उपनिषद् के दार्शनिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। 10

(घ) ब्राह्मणों एवं आरण्यकों के महत्व का परीक्षण कीजिए। 10

4. किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग ***150*** शब्दों में दीजिए :

(क) भारतीय परम्परा में मनस् (Mind) का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 5

(ख) एतरेय उपनिषद् में प्रस्तुत तीन सन्दर्श (Visualizations) क्या हैं ? 5

(ग) सामवेद की संरचना की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 5

(घ) महाभारत में प्रस्तुत विदुर के नैतिक दर्शन का वर्णन कीजिए। 5

(च) चार्वाक दर्शन की तत्वमीमांसा की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 5

(छ) पराविद्या और अपराविद्या के मध्य अन्तर कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग ***100*** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) निष्काम कर्म 4

(ख) वेदों का वर्गीकरण 4

(ग) सत् के बन्धन 4

(घ) ईशोपनिषद् में जीवन के प्रति दृष्टिकोण 4

(च) तुरीय अवस्था 4

(छ) जीवनमुक्ति 4

(ज) जैन दर्शन के पंच महाव्रत 4

(झ) बौद्ध दर्शन का शून्यतावाद 4